हिन्दी में

श्री खाटू श्याम चालीसा

आरती और पूजा विधि सहित

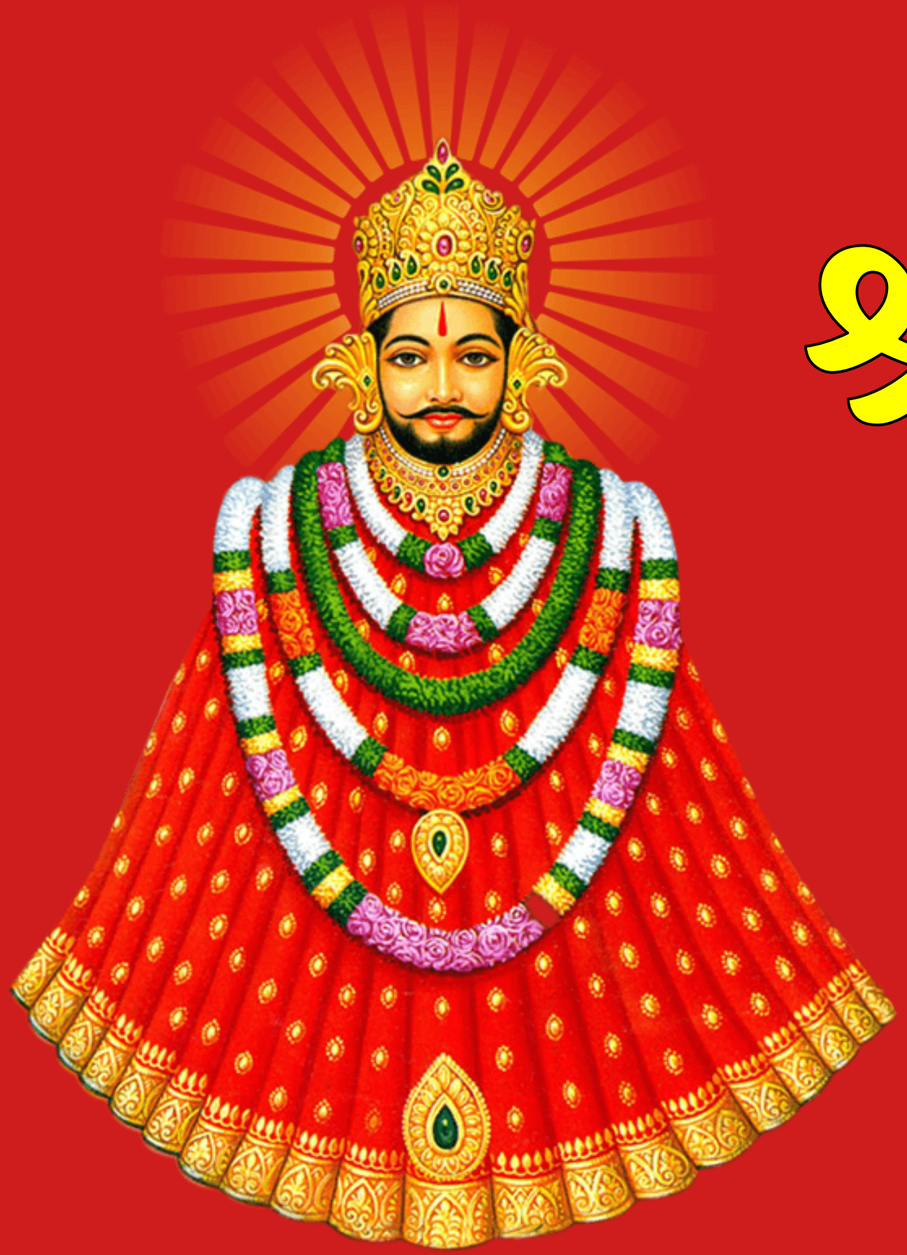

InstaPDF
INSTAPDF.IN

• ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे •

|| श्री खाटू श्याम चालीसा -1 ||

|| दोहा ||

श्री गुरु चरणन ध्यान धर, सुमीर सच्चिदानंद।
श्याम चालीसा बणत है, रच चौपाई छंद।

|| चौपाई ||

श्याम-श्याम भजि बारंबारा। सहज ही हो भवसागर पारा। इन सम देव न दूजा कोई। दिन दयालु न दाता होई।।

भीम सुपुत्र अहिलावाती जाया। कही भीम का पौत्र कहलाया। यह सब कथा कही कल्पांतर। तनिक न मानो इसमें अंतर।।

बर्बरीक विष्णु अवतारा। भक्तन हेतु मनुज तन धारा। बासुदेव देवकी प्यारे। जसुमति मैया नंद दुलारे।।

मधुसूदन गोपाल मुरारी। वृजकिशोर गोवर्धन धारी। सियाराम श्री हरि गोबिंदा। दिनपाल श्री बाल मुकुंदा।।

दामोदर रण छोड़ बिहारी। नाथ द्वारिकाधीश खरारी। राधाबल्लभ रुक्मणि कंता। गोपी बल्लभ कंस हनंता।।

मनमोहन चित चोर कहाए। माखन चोरि-चारि कर खाए। मुरलीधर यदुपति घनश्यामा। कृष्ण पतित पावन अभिरामा।।

मायापति लक्ष्मीपति ईशा। पुरुषोत्तम केशव जगदीशा। विश्वपति जय भुवन पसारा। दीनबंधु भक्तन रखवारा।।

प्रभु का भेद न कोई पाया। शेष महेश थके मुनिराया। नारद शारद ऋषि योगिंदरर। श्याम-श्याम सब रटत निरंतर।।

• ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे •

कवि कोदी करी कनन गिनंता। नाम अपार अथाह अनंता। हर सृष्टी हर सुग में भाई। ये अवतार भक्त सुखदाई।।
हृदय माहि करि देखु विचारा। श्याम भजे तो हो निस्तारा। कौर पढ़ावत गणिका तारी। भीलनी की भक्ति बलिहारी।।
सती अहिल्या गौतम नारी। भई श्रापवश शिला दुलारी। श्याम चरण रज चित लाई। पहुंची पति लोक में जाही।।
अजामिल अरु सदन कसाई। नाम प्रताप परम गति पाई। जाके श्याम नाम अधारा। सुख लहहि दुःख दूर हो सारा।।
श्याम सलोवन है अति सुंदर। मोर मुकुट सिर तन पीतांबर। गले बैजंती माल सुहाई। छवि अनूप भक्तन मान भाई।।
श्याम-श्याम सुमिरहु दिन-राती। श्याम दुपहरि कर परभाती। श्याम सारथी जिस रथ के। रोड़े दूर होए उस पथ के।।
श्याम भक्त न कही पर हारा। भीर परि तब श्याम पुकारा। रसना श्याम नाम रस पी ले। जी ले श्याम नाम के ही ले।।
संसारी सुख भोग मिलेगा। अंत श्याम सुख योग मिलेगा। श्याम प्रभु हैं तन के काले। मन के गोरे भोले-भाले।।
श्याम संत भक्तन हितकारी। रोग-दोष अध नाशे भारी। प्रेम सहित जब नाम पुकारा। भक्त लगत श्याम को प्यारा।।
खाटू में हैं मथुरावासी। पारब्रह्म पूर्ण अविनाशी। सुधा तान भरि मुरली बजाई। चहु दिशि जहां सुनी पाई।।
वृद्ध-बाल जेते नारि नर। मुग्ध भये सुनि बंशी स्वर। हड़बड़ कर सब पहुंचे जाई। खाटू में जहां श्याम कन्हाई।।
जिसने श्याम स्वरूप निहारा। भव भय से पाया छुटकारा।

॥दोहा॥

श्याम सलोने संवारे, बर्बरीक तनुधार।
इच्छा पूर्ण भक्त की , करो न लाओ बार ।।

• ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे •

|| श्री खाटू श्याम चालीसा -2 ||

|| चौपाई ||

जय हो सुंदर श्याम हमारे , मोर मुकुट मणिमय हो धारे ।कानन के कुण्डल मोहे ,पीत वस्त्र कहत दुद माला , साँवरी सूरत भुजा विशाला ।।

न ही दोन लोक के स्वामी , घट घट के हो अंतरयामी । पद्मनाभ विष्णु अवतारी , अखिल भुवन के तुम रखवारी ।।

खाटू में प्रभु आप विराजे , दर्शन करते सकल दुःख भाजे ।इत सिंहासन आय सोहते , ऊपर कलशा स्वर्ण मोहते ।।

अगद अनट अच्युत जगदा , माधव सुर नर सुरपति ईशा । बाजत नौबत शंख नगारे , घंटा झालर अति इनकारे । ।

माखन मिश्री भोग लगावे , नित्य पुजारी चंवर लावे । जय जय कार होत सब भारी , दुःख बिसरत सारे नर नारी ।।

जो कोई तुमको मन से ध्याता , मन वांछित फल वो नर पाता । जन मन गण अधिनायक तुम हो , मधुमय अमृत वाणी तुम हो ।।

विद्या के भण्डार तुम्ही हो , सब ग्रंथन के सार तुम्ही हो । आदि और अनादि तुम हो , कविजन की कविता में तुम हो ।।

नील गगन की ज्योति तुम हो , सूरज चाँद सितारे तुम हो ।तुम हो एक अरु नाम अपारा , कण कण में तुमरा विस्तारा ।।

भक्तों के भगवान तुम्हीं हो , निर्बल के बलवान तुम्ही हो ।तुम हो श्याम दया के सागर , तुम हो अनंत गुणों के सागर ।।

मन दृढ़ राखि तुम्हें जो ध्यावे , सकल पदारथ वो नर पावे । तुम हो प्रिय भक्तों के प्यारे , दीन दुःखी जन के रखवारे ।।

पुत्रहीन जो तुम्हें मनावे , निश्चय ही वो नर सुत पावे । जय जय जय श्री श्याम बिहारी , मैं जाऊँ तुम पर बलिहारी ।।

• ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे •

जनम मरण सों मुक्ति दीजे , चरण शरण मुझको रख लीजे ।।प्रातः उठ जो तुम्हें मनावें , चार पदारथ वो नर पावें ।।

तुमने अधम अनेकों तारे , मेरे तो प्रभु तुम्ही सहारे ।मैं हूँ चाकर श्याम तुम्हारा , दे दो मुझको तनिक सहारा ।।

कोढ़ी जन आवत जो द्वारे , मिटे कोढ़ भागत दु : ख सारे ।नयनहीन तुम्हारे ढिंग आवे , पल में ज्योति मिले सुख पावे ।।

मैं मूरख अति ही खल कामी , तुम जानत सब अंतरयामी ।एक बार प्रभु दरसन दीजे , यही कामना पूरण कीजे ।।

जब जब जनम प्रभु मैं पाऊँ , तब चरणों की भक्ति पाऊँ ।।मैं सेवक तुम स्वामी मेरे , तुम हो पिता पुत्र हम तेरे ।।

मुझको पावन भक्ति दीजे , क्षमा भूल सब मेरी कीजे ।पढ़े श्याम चालीसा जोई , अंतर में सुख पावे सोई ।।

सात पाठ जो इसका करता , अन्न धन से भंडार है भरता । जो चालीसा नित्य सुनावे , भूत पिशाच निकट नहिं आवे ।।

सहस्र बार जो इसको गावहि , निश्चय वो नर मुक्ति पावहि ।।किसी रूप में तुमको ध्यावे , मन चीते फल वो नर पावे ।।

‘ नन्द ' बसो हिरदय प्रभु मेरे , राखो लाज शरण मैं तेरे ।।

instapdf.in

ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे

|| श्री खाटू श्याम जी की आरती ||

ॐ जय श्री श्याम हरे, बाबा जय श्री श्याम हरे। खाटू धाम विराजत, अनुपम रूप धरे। ॐ जय श्री श्याम हरे..

रतन जड़ित सिंहासन, सिर पर चंवर ढुरे। तन केसरिया बागो, कुंडल श्रवण पड़े। ॐ जय श्री श्याम हरे..

गल पुष्पों की माला, सिर पार मुकुट धरे। खेवत धूप अग्नि पर दीपक ज्योति जले। ॐ जय श्री श्याम हरे..

मोदक खीर चूरमा, सुवरण थाल भरे।सेवक भोग लगावत, सेवा नित्य करे। ॐ जय श्री श्याम हरे..

झांझ कटोरा और घडियावल, शंख मृदंग घुरे। भक्त आरती गावे, जय-जयकार करे। ॐ जय श्री श्याम हरे..

जो ध्यावे फल पावे, सब दुःख से उबरे। सेवक जन निज मुख से, श्री श्याम-श्याम उचरे। ॐ जय श्री श्याम हरे..

श्री श्याम बिहारी जी की आरती, जो कोई नर गावे।कहत भक्तजन, मनवांछित फल पावे। ॐ जय श्री श्याम हरे..

जय श्री श्याम हरे, बाबा जी श्री श्याम हरे। निज भक्तों के तुमने, पूरण काज करे। ॐ जय श्री श्याम हरे.. ।

ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे

|| श्री खाटू श्याम जी की पूजा विधि ||

खाटू श्याम की पूजा-अर्चना / पूजा विधि इस प्रकार है :-

❖ सबसे पहले बाबा खाटू श्याम का एक चित्र या मूर्ति बाजार से खरीद लायें। इसे किसी साफ़ सुथरी जगह या पूजा स्थान पर विराजें।

❖ अगरबत्ती-धूप, घी का दीपक, फूल, पुष्पमाला, कच्चा दूध, भोग सामग्री-प्रसाद – ये सब सामान तैयार रख लें।

❖ अब श्याम बाबा की फोटो या मूर्ति को पंचामृत या दूध-दही से स्नान करवाएं. इसके बाद साफ़ पानी से बाबा को पुनः स्नान करवायें. किसी साफ़ सुथरे, मुलायम कपड़े से जल पोंछकर साफ़ कर दें। अब श्याम बाबा को पुष्पमाला, फूल चढ़ायें।

❖ घी का दीपक जला दें, फिर बाबा श्याम को धूप-अगरबत्ती दिखाएँ। अब श्याम बाबा को पहले कच्चा दूध और इसके पश्चात भोग-प्रसाद सामग्री चढ़ाएं. भोग लगाने के बाद बाबा श्याम की आरती गाते हुए वन्दना करें।

❖ पूजा के अंत में पूजन विधि में अनजाने में हुई किसी भी गलती के लिए क्षमा प्रार्थना करते हुए बाबा श्याम की कृपा पाने के लिए विनती करें।

❖ **अब बाबा श्याम के 11 पवित्र नामों का जयकारा लगायें. ये नाम हैं** : जय श्री श्याम , जय खाटू वाले श्याम, जय हो शीश के दानी, जय हो कलियुग देव की, जय खाटू नरेश, जय मोर्वये, जय हो खाटू वाले नाथ की, जय मोर्विनंदन श्याम, लीले के अश्वार की जय, लखदातार की जय ,हारे के सहारे की जय।

❖ इसके बाद भोग सामग्री से गाय माता के लिए हिस्सा निकालकर खिला दें। अब प्रेमपूर्वक बाबा का स्मरण करते हुए प्रसाद ग्रहण करें।

❖ श्री खाटू श्याम बाबा को चढ़ाए जाने वाला सबसे मुख्य प्रसाद कच्चा दूध है. यह बाबा को चढ़ाये जाने वाला पहला प्रसाद था, अतः यह बाबा को सबसे प्रिय है। इसलिए प्रयास करें कि कच्चे दूध का प्रसाद बाबा श्याम को अवश्य चढ़ाएं।

ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे

InstaPDF
INSTAPDF.IN

Hi! We're InstaPDF. A dedicated portal where one can download any kind of PDF files for free, **with just a single click**.

https://instapdf.in

ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे • ॐ जय श्री श्याम हरे